Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इ-पाठशाला कार्यक्रम

Class 11th POLITY

राष्ट्रवाद

Nationalism



RAPID REVISION

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. राष्ट्र निर्माण के लिए साझे राजनीतिक आदर्श हैं—

(अ) लोकतंत्र

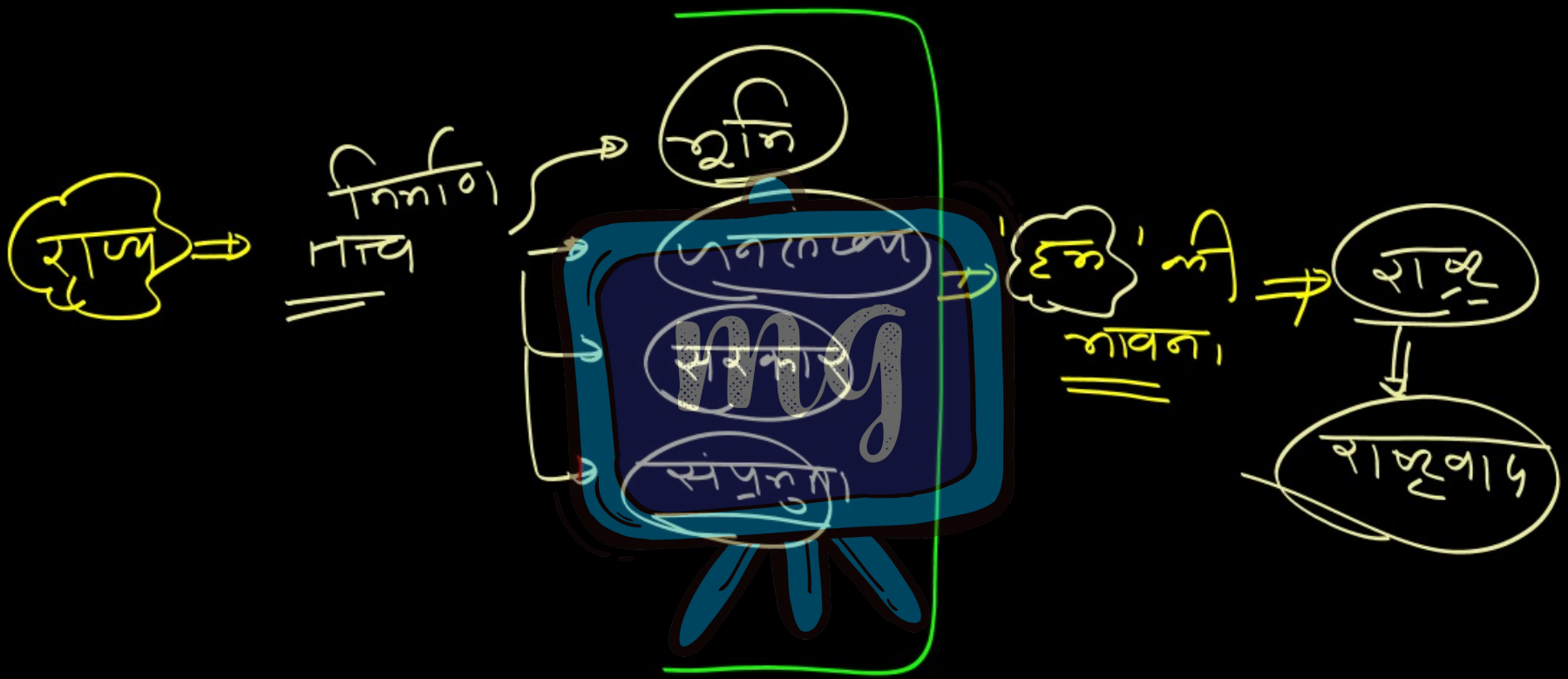
(ब) उदारवाद

(स) धर्मनिरपेक्षता

(द) उपरोक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. राष्ट्र को बहुत हद तक किस प्रकार का समुदाय माना जाता है?

अ केवल पारिवारिक समुदाय

ब काल्पनिक समुदाय

स वंशानुगत समूह

द केवल धार्मिक समूह

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. कनाडा और भारत का उदाहरण राष्ट्रों के संबंध में किस तथ्य को स्पष्ट करता है?

अ प्रत्येक राष्ट्र में एक ही भाषा होना अनिवार्य है।

ब प्रत्येक राष्ट्र के लोगों का धर्म समान होता है।

स प्रत्येक राष्ट्र केवल एक वंश से निर्मित होता है।

द एक राष्ट्र में विभिन्न भाषाओं के लोग रह सकते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. राष्ट्र की सामूहिक पहचान का कौन-सा आधार साझा स्मृतियों और ऐतिहासिक विरासत से संबंधित है?

अ साझा विश्वास

ब इतिहास

स भूक्षेत्र

द साझा राजनीतिक आदर्श

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. राष्ट्रीय आत्म-निर्णय के अधिकार का मुख्य आशय क्या है?

अ अपने शासन और भविष्य का स्वयं निर्णय करना

ब एक ही भाषा बोलना अनिवार्य करना

स सभी समूहों के लिए एक धर्म निर्धारित करना

द सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों के अधिकार समाप्त करना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. बास्क क्षेत्र किस देश में स्थित है?

अ कनाडा

ब स्पेन

स श्रीलंका

द तुर्की



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. किस स्पेनी तानाशाह ने बास्क भाषा के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया था?

अ नेहरू

ब रवीन्द्रनाथ टैगोर

स फ्रैंको

द इनमें से कोई नहीं

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. भारत में धार्मिक, भाषायी और सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए विस्तृत प्रावधान कहाँ किए गए हैं?

अ भारतीय संविधान में

ब वर्साय की संधि में

स बास्क क्षेत्र की स्वायत्तता में

द गणतंत्र दिवस परेड में

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

9. रवीन्द्रनाथ टैगोर ने राष्ट्रवाद से ऊपर किसे स्थान दिया?

अ राजनीतिक शक्ति

ब मानवता

स सांस्कृतिक वर्चस्व

द साम्राज्यवाद

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10. राष्ट्रवाद और बहुलवाद का संबंध मुख्यतः किस विचार से है?

अ एक ही संस्कृति को अनिवार्य बनाना

ब सभी सांस्कृतिक समूहों के लिए अलग राज्य बनाना

स अल्पसंख्यकों की पहचान समाप्त करना

द विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों का एक देश में सह-अस्तित्व

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

1. 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' पुस्तक के लेखक _____ हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. दिल्ली में होने वाली गणतंत्र दिवस परेड _____ का प्रतीक है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. राष्ट्र बहुत हद तक एक _____ समुदाय होता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. राष्ट्र की सामूहिक पहचान के निर्माण में _____ इतिहास महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. राष्ट्र अपने शासन और भविष्य का स्वयं निर्णय करने के लिए _____ का अधिकार माँगते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. राष्ट्र किसे कहते हैं?

उत्तर: राष्ट्र एक ऐसा काल्पनिक समुदाय है, जिसके सदस्य सामूहिक विश्वासों, आकांक्षाओं और साझा राजनीतिक पहचान के आधार पर एकता का अनुभव करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. राष्ट्र के निर्माण में साझा विश्वास का क्या महत्त्व है?



उत्तर: साझा विश्वास राष्ट्र के सदस्यों को एक समुदाय के रूप में जोड़ता है और उनमें सामूहिक एकता की भावना उत्पन्न करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. राष्ट्रीय आत्म-निर्णय से क्या अभिप्राय है?

उत्तर: राष्ट्रीय आत्म-निर्णय का अर्थ है किसी राष्ट्र का अपना शासन स्वयं चलाने और अपने भविष्य का निर्णय करने का अधिकार।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. बहुलवाद से क्या आशय है?

उत्तर: बहुलवाद का आशय ऐसी व्यवस्था से है जिसमें विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक ही देश में अपनी पहचान बनाए रखते हुए साथ रह सकें।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. राष्ट्र के निर्माण में भूक्षेत्र का क्या योगदान है?

उत्तर: साझा भूक्षेत्र लोगों को एक मातृभूमि और सामूहिक पहचान की भावना से जोड़ने में सहायक होता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. अल्पसंख्यक से क्या अभिप्राय है?

उत्तर —

अल्पसंख्यक वे समुदाय होते हैं जो किसी राष्ट्र-राज्य के भीतर अल्पसंख्यक स्थिति में होते हैं और जिनकी अपनी विशिष्ट धार्मिक, भाषायी या सांस्कृतिक पहचान हो सकती है।

1. **धार्मिक अल्पसंख्यक:** विशिष्ट धार्मिक पहचान वाले अल्पसंख्यक समुदाय।

Under CSR Support by ipca | Foundation

mg missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2. **भाषायी अल्पसंख्यक:** विशिष्ट भाषा से जुड़े अल्पसंख्यक समुदाय।

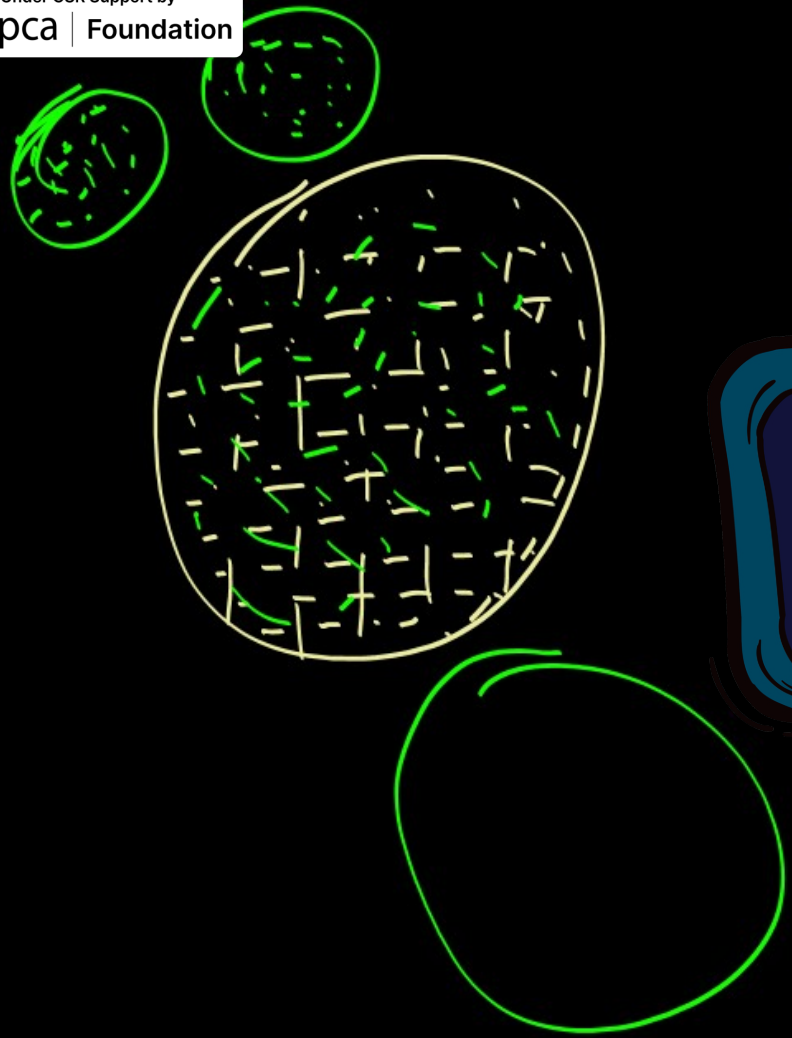
3. **सांस्कृतिक अल्पसंख्यक:** अलग सांस्कृतिक पहचान रखने वाले अल्पसंख्यक समुदाय।

4. **पहचान का संरक्षण:** इनकी विशिष्ट पहचान का सम्मान एवं संरक्षण महत्त्वपूर्ण है।

5. **संवैधानिक सुरक्षा:** भारतीय संविधान में धार्मिक, भाषायी और सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के विस्तृत प्रावधान हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. 'एक संस्कृति एक राज्य' की माँग का क्या आशय है?

उत्तर —

'एक संस्कृति-एक राज्य' की माँग का आशय है कि प्रत्येक विशिष्ट सांस्कृतिक समुदाय के लिए अलग राष्ट्र-राज्य स्थापित किया जाए।

1. सांस्कृतिक पहचान: प्रत्येक सांस्कृतिक समुदाय को पृथक राजनीतिक पहचान देने का विचार।

Under CSR Support by ipca | Foundation

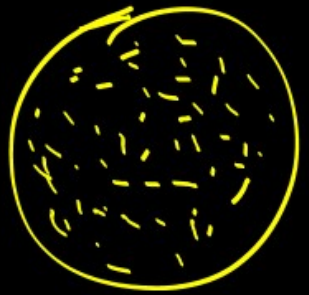
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2. स्वतंत्र राज्य: अलग सांस्कृतिक समूह के लिए अपना राज्य बनाने की माँग।
3. ऐतिहासिक आधार: प्रथम विश्वयुद्ध के बाद राज्यों की पुनर्व्यवस्था में इस विचार को अपनाने का प्रयास हुआ।
4. नकारात्मक परिणाम: सीमाओं के परिवर्तन से विस्थापन और साम्प्रदायिक हिंसा हुई।
5. व्यावहारिक कठिनाई: अलग राज्यों के गठन के बाद भी उनमें अल्पसंख्यक समुदायों का अस्तित्व बना रहा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. राजनीतिक दृष्टि से राष्ट्र का क्या अर्थ है?

उत्तर —

राजनीतिक दृष्टि से राष्ट्र ऐसे लोगों का समुदाय है जो साझी राजनीतिक पहचान, विश्वासों और आदर्शों के आधार पर अपने सामूहिक भविष्य की कल्पना करता है।

1. साझा विश्वास: राष्ट्र के सदस्यों को एकता के सूत्र में बाँधता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

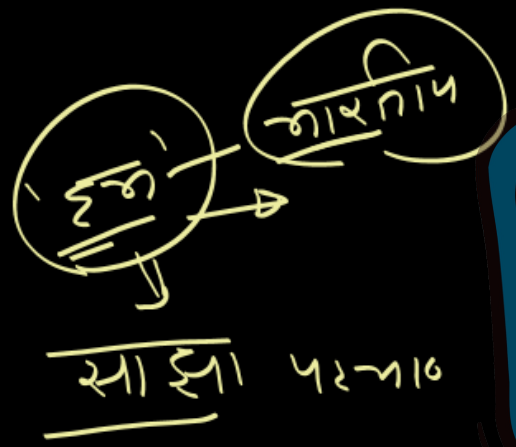
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. राजनीतिक आदर्श: लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और उदारवाद जैसे मूल्य लोगों को जोड़ सकते हैं।
3. स्वतंत्र राजनीतिक अस्तित्व: राष्ट्र अपने शासन और भविष्य के निर्णय में भागीदारी चाहता है।
4. साझी आकांक्षाएँ: सदस्य समान राजनीतिक भविष्य की कल्पना करते हैं।
5. पारस्परिक दायित्व: सहनागरिकों के अधिकारों और जिम्मेदारियों की स्वीकृति राष्ट्र को मजबूत बनाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न



1. राष्ट्र और राष्ट्रवाद में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर —

भूमिका: राष्ट्र लोगों का ऐसा समुदाय है जो साझा पहचान और राजनीतिक आकांक्षाओं से जुड़ा होता है, जबकि राष्ट्रवाद उस समुदाय से संबंधित राजनीतिक विचारों और आकांक्षाओं को व्यक्त करता है।

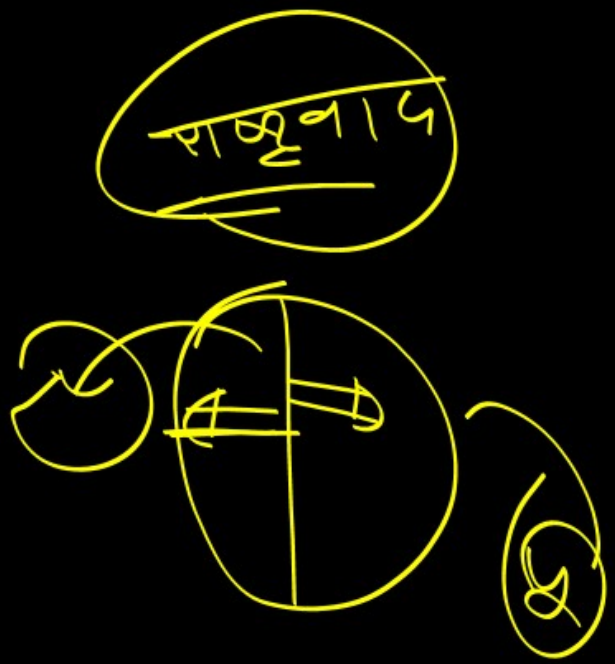
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आधार	राष्ट्र	राष्ट्रवाद
अर्थ	सामूहिक पहचान वाला जनसमुदाय	राष्ट्र से संबंधित राजनीतिक सिद्धान्त एवं भावना
स्वरूप	मुख्यतः लोगों का समुदाय	मुख्यतः राजनीतिक विचार एवं आकांक्षा
आधार	साझा विश्वास, इतिहास, भूक्षेत्र एवं राजनीतिक आदर्श	राष्ट्रीय पहचान, निष्ठा और आत्म-निर्णय की आकांक्षा

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



आधार	राष्ट्र	राष्ट्रवाद
उद्देश्य	सामूहिक पहचान एवं राजनीतिक भविष्य का निर्माण	राष्ट्रीय एकता, राजनीतिक मान्यता और स्वशासन की प्रेरणा
अस्तित्व	सदस्यों के सामूहिक विश्वास और कल्पनाओं से जुड़ा	राष्ट्रीय भावनाओं तथा राजनीतिक संघर्षों में व्यक्त
प्रभाव	सदस्यों में एक समुदाय होने की भावना	लोगों को जोड़ने या विभाजित करने, दोनों का कारण बन सकता है

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. किन मायनों में राष्ट्र की तुलना एक टीम से की जा सकती है?

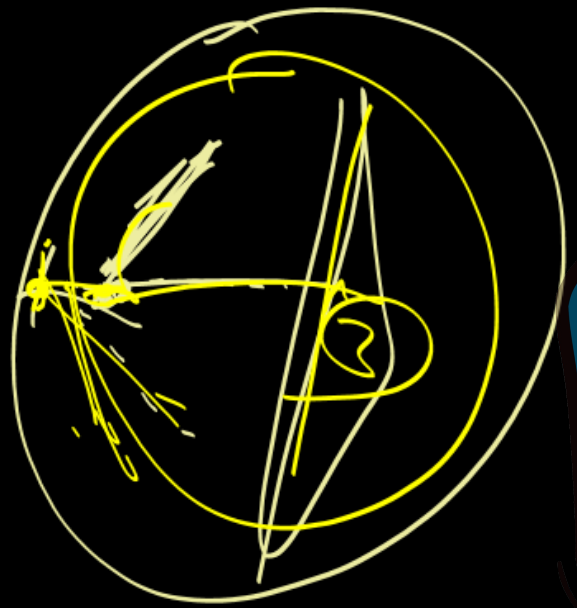
उत्तर —

भूमिका: राष्ट्र की तुलना टीम से इसलिए की जाती है क्योंकि दोनों का अस्तित्व सामूहिक विश्वास, एकता और साझा उद्देश्य पर आधारित होता है।

मुख्य बिंदु:

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. **सामूहिक विश्वास:** टीम के सदस्य स्वयं को एक समूह मानते हैं। इसी प्रकार राष्ट्र के सदस्य स्वयं को एक समुदाय का हिस्सा मानते हैं।
2. **एकता की भावना:** टीम के सभी सदस्य एकता का अनुभव करते हैं। राष्ट्र के सदस्य भी परस्पर जुड़ाव महसूस करते हैं।
3. **साझा उद्देश्य:** टीम के सदस्य किसी लक्ष्य के लिए एक साथ कार्य करते हैं। राष्ट्र के सदस्य भी साझा भविष्य की कल्पना करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4. **सामूहिक पहचान:** टीम की अपनी पहचान होती है। इसी प्रकार राष्ट्र की भी विशिष्ट सामूहिक पहचान होती है।
5. **परस्पर भरोसा:** टीम का अस्तित्व सदस्यों के आपसी विश्वास पर निर्भर करता है। राष्ट्र के अस्तित्व के लिए भी यह विश्वास आवश्यक है कि सदस्य एक-दूसरे के साथ हैं।
6. **व्यक्तियों से अधिक महत्त्व:** टीम केवल अलग-अलग खिलाड़ियों का समूह नही होती। इसी प्रकार राष्ट्र भी व्यक्तियों का आकस्मिक समूह नहीं होता।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. आपकी राय में, राष्ट्रवाद की सीमाएँ क्या हैं?

उत्तर —

भूमिका: राष्ट्रवाद एक प्रभावशाली राजनीतिक सिद्धान्त है जिसने लोगों को स्वतंत्रता और एकता के लिए प्रेरित किया है, किंतु इसके कुछ नकारात्मक परिणाम और सीमाएँ भी हैं।

राष्ट्रवाद की प्रमुख सीमाएँ:

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. **विभाजन की प्रवृत्ति:** राष्ट्रवाद लोगों को जोड़ने के साथ विभिन्न समूहों के बीच विभाजन भी पैदा कर सकता है।
2. **संघर्ष एवं हिंसा:** राष्ट्रवादी भावनाएँ विरोध, कटुता और युद्धों का कारण बन सकती हैं।
3. **पृथकतावादी आन्दोलन:** अलग राज्य की माँग मौजूदा राष्ट्र-राज्यों के लिए चुनौती उत्पन्न कर सकती है।
4. **'एक संस्कृति-एक राज्य' की समस्या:** प्रत्येक सांस्कृतिक समूह को अलग राज्य देना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. **अल्पसंख्यकों की समस्या:** एक ही सांस्कृतिक पहचान को अनिवार्य बनाने से अन्य समुदायों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।
6. **विस्थापन:** राज्यों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण से बड़ी संख्या में लोगों का विस्थापन हुआ है।
7. **असहिष्णुता:** संकीर्ण राष्ट्रवाद विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा दे सकता है।
8. **मानवता के प्रति चुनौती:** रवीन्द्रनाथ टैगोर ने संकीर्ण राष्ट्रवाद की आलोचना करते हुए मानवता को अधिक महत्त्व दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निबंधात्मक प्रश्न

1. राष्ट्रवाद से आप क्या समझते हैं? राष्ट्रवाद के सम्बन्ध में रवीन्द्रनाथ टैगोर के द्वारा प्रस्तुत समालोचना पर प्रकाश डालिए।

उत्तर –

भूमिका / परिचय

राष्ट्रवाद एक प्रभावशाली राजनीतिक सिद्धान्त और भावना है, जो लोगों की राष्ट्रीय पहचान, सामूहिक आकांक्षाओं और राजनीतिक स्वतंत्रता से संबंधित है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रवाद ने विभिन्न देशों में एकता तथा स्वतंत्रता के संघर्षों को प्रेरित किया है, लेकिन इसके संकीर्ण स्वरूप की आलोचना भी हुई है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर राष्ट्रवाद के ऐसे महत्त्वपूर्ण आलोचक थे, जिन्होंने मानवता को देशभक्ति से ऊपर माना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. राष्ट्रवाद का अर्थ एवं स्वरूप

- **राष्ट्रीय भावना:** राष्ट्रवाद लोगों में अपने राष्ट्र के प्रति सामूहिक पहचान और निष्ठा की भावना उत्पन्न करता है।
- **राजनीतिक आकांक्षा:** यह राष्ट्र के स्वतंत्र राजनीतिक अस्तित्व और आत्म-निर्णय की माँग से जुड़ सकता है।
- **सकारात्मक प्रभाव:** राष्ट्रवाद ने लोगों को विदेशी शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के संघर्ष में प्रेरित किया।
- **नकारात्मक प्रभाव:** राष्ट्रवाद ने विभाजन, कटुता तथा युद्धों को भी जन्म दिया है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. मानवता को राष्ट्रवाद से ऊँचा स्थान

- **मानवता सर्वोपरि:** टैगोर के अनुसार राष्ट्रवाद मनुष्य की अंतिम आध्यात्मिक मंजिल नहीं हो सकता।
- **मानवीय मूल्य:** वे देशभक्ति की तुलना में मानवता और मानवीय गरिमा को अधिक महत्त्व देते थे।
- **मुख्य विचार:** टैगोर ने मानवता को अपनी वास्तविक शरणस्थली बताया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. संकीर्ण राष्ट्रवाद की आलोचना

- **संकीर्णता का विरोध:** टैगोर भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में विद्यमान संकीर्ण राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों के आलोचक थे।
- **आक्रामकता का भय:** उन्हें चिंता थी कि संकीर्ण राष्ट्रवाद विदेशी सांस्कृतिक प्रभावों के प्रति आक्रामक दृष्टिकोण उत्पन्न कर सकता है।
- **असहिष्णुता का विरोध:** वे ऐसी राष्ट्रीय भावना के पक्षधर नहीं थे जो दूसरे समुदायों के प्रति विरोध पैदा करे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. औपनिवेशिक शासन के प्रति दृष्टिकोण

- **औपनिवेशिक शासन का विरोध:** टैगोर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरोधी थे।
- **स्वाधीनता का समर्थन:** वे भारत के स्वाधीनता के अधिकार को स्वीकार करते थे।
- **मानवीय गरिमा:** उनका मानना था कि औपनिवेशिक प्रशासन में मानवीय संबंधों की गरिमा को बनाए रखने की पर्याप्त गुंजाइश नहीं थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. पश्चिमी साम्राज्यवाद और पश्चिमी सभ्यता में अंतर

- **साम्राज्यवाद का विरोध:** टैगोर पश्चिमी साम्राज्यवाद के आलोचक थे।
- **सभ्यता की संपूर्ण अस्वीकृति नहीं:** वे पश्चिमी साम्राज्यवाद का विरोध करने और पश्चिमी सभ्यता को पूरी तरह अस्वीकार करने में अंतर करते थे।
- **ज्ञान का आदान-प्रदान:** वे बाहरी दुनिया से सीखने की स्वतंत्रता के समर्थक थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. भारतीय संस्कृति के प्रति दृष्टिकोण

- **सांस्कृतिक सम्मान:** भारतीयों को अपनी संस्कृति और विरासत के प्रति गहरी आस्था रखनी चाहिए।
- **खुला दृष्टिकोण:** अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान का अर्थ बाहरी दुनिया से सीखने का विरोध नहीं होना चाहिए।
- **विविधता का आदर:** टैगोर की चिंता थी कि संकीर्ण राष्ट्रवाद विदेशी सांस्कृतिक प्रभावों के प्रति असहिष्णु हो सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. टैगोर की समालोचना का महत्त्व

- **मानवतावादी दृष्टिकोण:** उनकी आलोचना राष्ट्रवाद को व्यापक मानवीय मूल्यों से जोड़ती है।
- **सांस्कृतिक उदारता:** विभिन्न संस्कृतियों से सीखने और संवाद करने पर बल देती है।
- **संकीर्ण राष्ट्रवाद से सावधानी:** राष्ट्रप्रेम को दूसरे समुदायों के प्रति विरोध का आधार नहीं बनने देना चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निबंधात्मक प्रश्न

1. राष्ट्रीय आत्म-निर्णय की माँग से सम्बन्धित स्पेन में बास्क के राष्ट्रवादी आन्दोलन पर प्रकाश डालिए।

उत्तर –

भूमिका / परिचय

राष्ट्रीय आत्म-निर्णय का अर्थ है किसी राष्ट्र का अपने शासन और भविष्य का निर्णय स्वयं करने का अधिकार। दुनिया के अनेक राष्ट्रीय समूह अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और राजनीतिक आकांक्षाओं के आधार पर आत्म-निर्णय की माँग करते रहे हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्पेन का बास्क राष्ट्रवादी आन्दोलन इसका महत्त्वपूर्ण उदाहरण है।

1. **बास्क क्षेत्र का परिचय**
   - **भौगोलिक स्थिति:** बास्क स्पेन का एक पहाड़ी और समृद्ध क्षेत्र है।
   - **राजनीतिक स्थिति:** इसे स्पेन की राज्य-व्यवस्था में स्वायत्त क्षेत्र का दर्जा प्राप्त है।
   - **विशिष्ट पहचान:** बास्क की अपनी भाषा, संस्कृति और ऐतिहासिक पहचान है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. बास्क राष्ट्रवादियों की प्रमुख माँग

- **पृथक राष्ट्र:** बास्क राष्ट्रवादी आन्दोलन के नेता स्पेन से अलग होकर स्वतंत्र देश बनाना चाहते हैं।
- **स्वायत्तता से असंतोष:** स्पेन द्वारा दी गई स्वायत्तता से आन्दोलन के नेता संतुष्ट नहीं हैं।
- **आत्म-निर्णय:** उनकी माँग अपनी विशिष्ट राष्ट्रीय पहचान और राजनीतिक भविष्य से जुड़ी है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. सांस्कृतिक आधार

- विशिष्ट संस्कृति: बास्क राष्ट्रवादी अपनी संस्कृति को स्पेनी संस्कृति से अलग बताते हैं।
- अलग भाषा: बास्क भाषा स्पेनी भाषा से भिन्न है।
- भाषायी स्थिति: पाठ्यपुस्तक के अनुसार बास्क के लगभग एक-तिहाई लोग ही उस भाषा को समझ पाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. भौगोलिक आधार

- **पहाड़ी भूभाग:** बास्क की भौगोलिक संरचना उसे स्पेन के अन्य भागों से अलग करती है।
- **क्षेत्रीय पहचान:** यह विशिष्ट भूक्षेत्र बास्क राष्ट्रवादियों की सामूहिक पहचान का आधार है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **ऐतिहासिक स्वायत्तता:** बास्क क्षेत्र ने लंबे समय तक अपनी विशिष्ट स्वायत्त व्यवस्था बनाए रखी।
- **विशिष्ट संस्थाएँ:** वहाँ अपनी न्यायिक, प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्थाएँ थीं।
- **आन्दोलन की शुरुआत:** उन्नीसवीं शताब्दी के अंत में स्पेनी शासकों ने बास्क की विशेष राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था समाप्त करने का प्रयास किया, जिससे आधुनिक राष्ट्रवादी आन्दोलन को बल मिला।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. फ्रैंको की दमनकारी नीतियाँ

- तानाशाही शासन: बीसवीं सदी में स्पेनी तानाशाह फ्रैंको ने बास्क की स्वायत्तता में और कटौती की।
- भाषा पर प्रतिबंध: बास्क भाषा के सार्वजनिक स्थानों तथा घरों में प्रयोग तक पर प्रतिबंध लगाया गया।
- असंतोष: ऐसी नीतियों ने बास्क समुदाय के भीतर स्पेनी शासन के प्रति अविश्वास बढ़ाया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

7. आन्दोलन की कार्यप्रणाली

- **संवैधानिक तरीके:** आन्दोलन के समर्थकों ने अपनी माँग उठाने के लिए संवैधानिक उपाय अपनाए।
- **हिंसक तरीके:** पाठ्यपुस्तक के अनुसार आन्दोलन के कुछ समर्थकों ने हिंसक तरीकों का भी प्रयोग किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

8. आन्दोलन से संबंधित मतभेद

- **समर्थकों का पक्ष:** बास्क राष्ट्रवादी अपनी ऐतिहासिक स्वायत्तता, भाषा और संस्कृति के आधार पर स्वतंत्रता की माँग करते हैं।
- **विरोधियों का पक्ष:** उनके विरोधियों का मानना है कि बास्क अलगाववादी ऐसे मुद्दे से राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं जिसका समाधान हो चुका है।
- **शेष अविश्वास:** दमनकारी प्रतिबंध वापस लिए जाने के बावजूद आन्दोलनकारियों के बीच स्पेनी शासन के प्रति संदेह बना रहा है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- **राजनीतिक चुनौती:** यह मौजूदा राष्ट्र-राज्यों के भीतर पृथकतावादी माँगों से उत्पन्न समस्याओं का उदाहरण है।

